



## PMAY-G और भारत में ग्रामीण नरिधनता उन्मूलन

### प्रलिमिन्स के लिये:

[प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण](#), [नरिधनता](#), [जयो-टैगि](#), [सवचछ भारत मशिन ग्रामीण](#), [वशिव बैंक](#), [प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना](#), [जल जीवन मशिन](#), [मनरेगा योजना](#), [लखपती दीदी](#), [मशिन इंदरधनुष](#), [बेरोजगारी](#), [गरीबी रेखा](#), [स्वयं-सहायता समूह](#)

### मेन्स के लिये:

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, ग्रामीण विकास, ग्रामीण नरिधनता उन्मूलन।

[स्रोत: पी.आई.बी](#)

### चर्चा में क्यों?

ग्रामीण विकास मंत्रालय ने **PMAY-G** की प्रगति पर प्रकाश डाला तथा ग्रामीण विकास योजनाओं के समय पर कार्यान्वयन के माध्यम से **नरिधनता** मुक्त गाँव बनाने के प्रयासों पर बल दिया।

- ग्रामीण विकास योजनाओं का समय पर एवं प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करके मंत्रालय का लक्ष्य नरिधनता मुक्त भारत का लक्ष्य प्राप्त करना है।

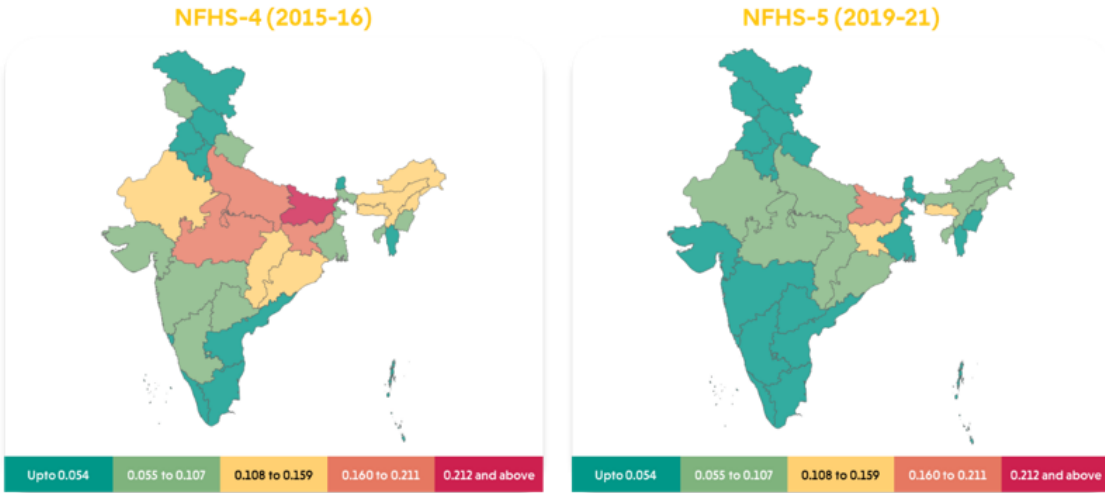
### PMAY-G के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- यह ग्रामीण गरीबों को कफायती आवास उपलब्ध कराने के लिये **वर्ष 2016** में शुरू की गई योजना है। इसमें **लाभार्थियों का चयन सामाजिक-आर्थिक जातगित जनगणना (SECC) 2011** के आँकड़ों के आधार पर किया जाता है, जसि **ग्राम सभा** की मंजूरी और **जयो-टैगि** के माध्यम से मान्य किया जाता है।
- PMAY-G के अंतर्गत लाभ:**
  - वित्तीय सहायता:** मैदानी क्षेत्रों के लाभार्थियों को 1.20 लाख रुपए तथा 2 पहाड़ी राज्यों (हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड), पूर्वोत्तर क्षेत्र एवं केंद्रशासित प्रदेशों (यूटी) जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख में 1.30 लाख रुपए दिये जाते हैं।
    - लागत साझाकरण के संदर्भ में मैदानी क्षेत्रों में **60:40 (केंद्र और राज्य के बीच)** तथा पूर्वोत्तर, हिमालयी राज्यों (हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड) तथा केंद्रशासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में **90:10 (केंद्र और राज्य के बीच)** का खर्च अनुपात शामिल है। केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में **100% केंद्र द्वारा वित्तपोषित** किया जाता है।
  - शौचालय सहायता:** **सवचछ भारत मशिन ग्रामीण (SBM-G)** के माध्यम से शौचालय निर्माण के लिये 12,000 रुपए देना शामिल है।
  - खाना पकाने हेतु ईंधन:** **प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना** के साथ मलिकर, प्रत्येक घर में एक LPG कनेक्शन प्रदान किया जाता है।
  - रोजगार सहायता:** आवास निर्माण के लिये **महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA)** के अंतर्गत 90/95 दिवस का अकुशल कार्य दिया जाना शामिल है।
- लक्ष्यों का नरिधारण:** इस योजना में **अनुसूचित जाति (SC)** और **अनुसूचित जनजाति (ST)** परिवारों के लिये 60% का लक्ष्य नरिधारित है, जसिमें 59.58 लाख SC एवं 58.57 लाख ST से संबंधित आवास पूरे हो चुके हैं।
- योजना का वसितार:** इस योजना का लक्ष्य प्रारंभ में **वर्ष 2023-24 तक 2.95 करोड़ घरों का निर्माण करना था**, जसि वित्त वर्ष 2024-29 के लिये 3,06,137 करोड़ रुपए के कुल परवियय के साथ **2 करोड़ और घरों को शामिल करने** के लिये बढ़ा दिया गया है।
- PMAY-G की उपलब्धियाँ:** नवंबर 2024 तक **3.21 करोड़ घरों को मंजूरी दी जा चुकी है और 2.67 करोड़ घर पूरे हो चुके हैं।**
  - जून और दसंबर 2024** के बीच **प्रधानमंत्री जनजाति आदवासी न्याय महा अभियान (PM-JANMAN)** के तहत 71,000 सहित 4.19 लाख घर पूरे हो चुके हैं।
  - मोबाइल एप्लिकेशन:** लाभार्थी पहचान को कारगर बनाने के लिये **आवास प्लस-2024 ऐप** लॉन्च किया गया।
    - पारदर्शिता और नगिरानी बढ़ाने के लिये **आवास सखी ऐप** शुरू किया गया।

## नरिधनता

- परिचय: **वशिव बैंक** के अनुसार, नरिधनता बुनयिदी ज़रूरतों को पूरा करने के लिये पर्याप्त आय या संसाधनों की कमी है। यह **आवास, भोजन या स्वास्थय जैसे कषेत्रों में अभाव के रूप में प्रकट** हो सकती है।
  - नरिधनता का व्यापक दृष्टिकोण **व्यक्तकी समाज में कार्य करने की कषमता पर केंद्रति है, जिसमें आय, शक्ति, स्वास्थय, शक्ति और राजनीतिक स्वतंत्रता का अभाव शामिल है।**
  - वशिव बैंक ने वर्ष 2017 **करय शक्ति समता (PPP)** का उपयोग करते हुए अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा के रूप में **2.15 अमेरिकी डॉलर** को अपनाया, जो वर्ष 2011 PPP का उपयोग करते हुए वर्ष 2015 के अद्यतन में नरिधरति 1.90 अमेरिकी डॉलर से अधिक है।
- पूरण नरिधनता:** ऐसी स्थिति जिसमें व्यक्ति के पास भोजन, आश्रय और स्वास्थय देखभाल जैसी बुनयिदी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये संसाधनों का अभाव होता है, जिसे आमतौर पर गरीबी रेखा से मापा जाता है।
- सापेक्ष नरिधनता:** समाज में अन्य लोगों की तुलना में किसी व्यक्ति के जीवन स्तर के आधार पर परिभाषित नरिधनता, जो आर्थिक असमानता को उजागर करती है।
- भारत में नरिधनता के आँकड़े:** **राष्ट्रीय परिवार स्वास्थय सर्वेक्षण-5 (2019-21)** के आँकड़ों से पता चलता है कि भारत की **14.96% आबादी बहुआयामी नरिधन है, जो NFHS-4 (2015-16) में 24.85% से कम है, जिसमें 135 मिलियन लोग नरिधनता से बच गए हैं।**
  - बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI)** वर्ष 2013-14 में 29.17% से घटकर वर्ष 2022-23 में 11.28% हो गया है, जो 17.89% अंकों की कमी दर्शाता है।
  - घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (HCES)** से पता चलता है कि गिरामीण नरिधनता वर्ष 2011-12 में 25.7% से घटकर वर्ष 2022-23 में 7.2% हो गई, जबकि शहरी नरिधनता इसी अवधि में 13.7% से घटकर 4.6% हो गई।

### Comparative view of the Multidimensional Poverty Index Score (State/UT-wise)



The colour represents the MPI score of a state. The colour moves from green, through yellow, to red as the MPI score increases. Green represents areas with the lowest MPI scores while red represents areas with the highest MPI scores. The legend shows the range of MPI scores in India, based on the values for 2015-16. Both the comparative maps use the same legend to represent the change in MPI scores between 2015-16 to 2019-21.

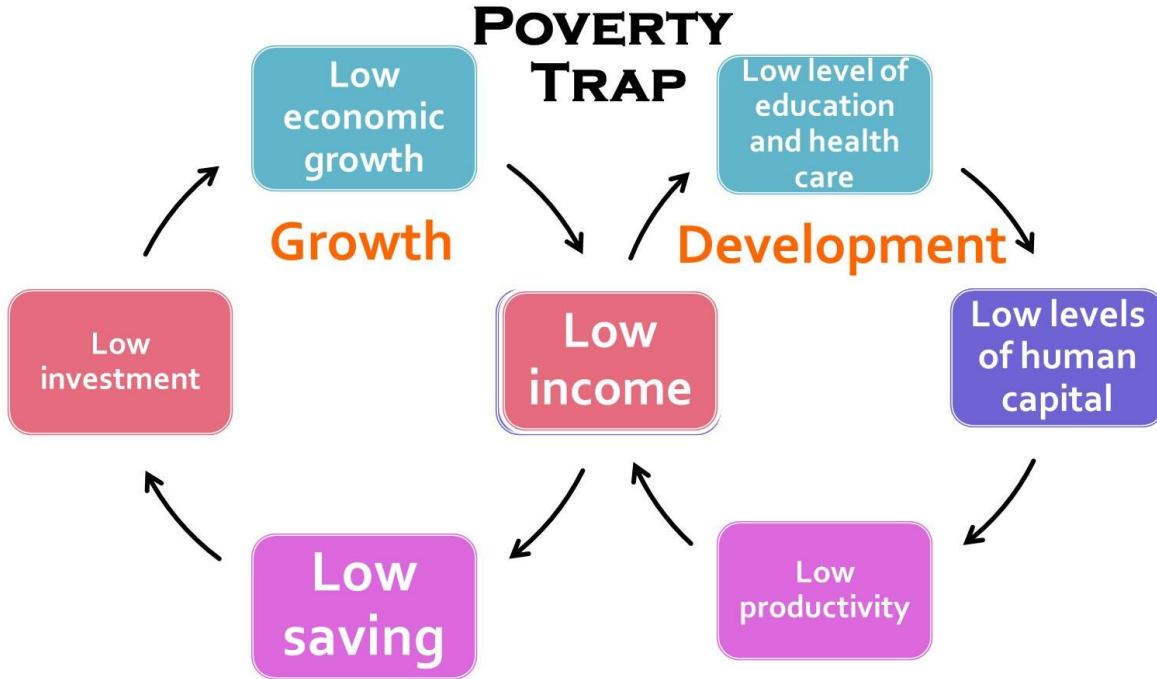
## गाँवों में नरिधनता उन्मूलन में योगदान देने वाली अन्य योजनाएँ क्या हैं?

- आधारभूत संरचना:
  - प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY)**
  - जल जीवन मशिन**
- सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ:
  - राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (NSAP)**
  - जननी सुरक्षा योजना**
  - प्रधानमंत्री जनधन योजना**
  - प्रधानमंत्री जीवन ज्योती बीमा योजना**
  - प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना**
- आजीविका संवर्द्धन योजनाएँ:
  - मनरेगा योजना**

- [NRLM \(राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मशिन\)](#)
- [प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना \(PMKVY\)](#)
- [प्रधानमंत्री मुद्रा योजना](#)
- [लखपति दीदी पहल](#)
- **स्वास्थ्य:**
  - [प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना \(आयुष्मान भारत\)](#)
  - [मशिन इंद्रधनुष](#)

## ग्रामीण भारत में नरिधनता हटाने में क्या चुनौतियाँ हैं?

- **कृषिपर नरिभरता:** ग्रामीण आबादी का एक बड़ा भाग कृषिपर नरिभर है, जसि जलवायु परिवर्तन, अनयिमति मानसून और खराब सचिाई जैसी चुनौतियों का सामना करना पडता है।
- **न्यूनतम कृषि उत्पादकता और पारंपरिक तरीकों पर नरिभरता आय सृजन को और सीमति कर देती है।**
  - **बेरोज़गारी और अल्परोज़गार:** कृषि के अतरिकित अन्य कषेत्रों में रोज़गार के सीमति अवसर हैं, जसिके कारण **बेरोज़गारी** और **अल्परोज़गार की** दरें बहुत अधकि हैं। **कौशल और शकिषा की कमी** के कारण यह और भी जटलि हो जाता है।
- **सेवाओं तक सीमति पहुँच:** शकिषा, स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छता और बुनयिादी ढाँचे जैसी बुनयिादी सेवाएँ प्रायः अपर्याप्त होती हैं।
- **भूमि स्वामित्व:** कई ग्रामीण परिवारों के पास भूमि स्वामित्व या सुरकषति भूमि अधकिार का अभाव है, जसिके आजीविका में नविश में बाधा आती है।
  - **सामाजकि असमानता:** महिलाओं, अनुसूचति जातियों और अनुसूचति जनजातियों समेत हाशिये पर पड़े समुदायों को भेदभाव और संसाधनों तक सीमति पहुँच का सामना करना पडता है। इससे नरिधनता का चक्र चलता रहता है।
  - **प्रवासन:** कई युवा, शकिषति व्यकत बेहतर अवसरों की तलाश में शहरी कषेत्रों की ओर पलायन करते हैं, जसिके परणामस्वरूप ग्रामीण कषेत्रों में **"प्रतभि पलायन"** होता है।
- **शासन संबंधी चुनौतियाँ:** **ऑपरेशन गरीनस योजना** जैसी नीतियों का कमज़ोर कार्यानवयन या **भ्रष्टाचार**, अपर्याप्त आँकड़े एवं सीमति सार्वजनकि जागरूकता ग्रामीण भारत में प्रभावी नरिधनता नविारण में बाधा डालते हैं।
- **दीर्घकालकि समाधानों के बजाय अल्पकालकि उपायों पर ध्यान केंद्रति करने से भी प्रगत में बाधा आती है।**



## ग्रामीण भारत को नरिधनता मुक्त कैसे बनाया जा सकता है?

- **सतत् विकास लक्ष्य (SDG) प्राप्त करना:**
  - **नरिधनता उनमूलन (SDG-1)** सामाजकि सुरकषा और रोज़गार।
  - **सार्वजनकि वतिरण प्रणाली** और कृषि योजनाओं के माध्यम से **शून्य भूख (SDG-2)** खाद्य सुरकषा।
  - **आयुष्मान भारत के अंतरगत अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण (SDG-3) के लिये** सार्वभौमकि स्वास्थ्य कवरेज़।
  - **असमानताओं में कमी (SDG-10)** वतितीय समावेशन और संसाधनों तक समान पहुँच में सुधार करती है।
  - **सामाजकि संरक्षण और कल्याण:** वृद्धावस्था, वधिवा और वकिलांगता पेंशन के अंतरगत व्यापक कवरेज़, 100% स्वास्थ्य देखभाल

पहुँच और **गरीबी रेखा से नीचे (BPL)** परिवारों के लिये सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चिती करना ताकि नरिधनता को फरि से बढ़ने से रोका जा सके ।

- **रोज़गार सृजन और आजीविका:** आवश्यकतानुसार मनरेगा के तहत रोज़गार उपलब्ध कराना, **वार्ड और महिला सभाओं** के माध्यम से कौशल संवर्द्धन आवश्यकताओं की पहचान करना तथा **ज़िला कौशल केंद्रों** के माध्यम से कौशल मानचित्रण और प्रशिक्षण आयोजित करना ।
- **स्वयं सहायता समूहों और कसिन समूहों को जोड़ना:** आय सत्र में सुधार के लिये **स्वयं सहायता समूहों (SHG)** और **कसिन उत्पादक संगठनों (FPO)** को उद्यम योजनाओं के साथ एकीकृत करना ।
  - कसिनों को तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिये **पशु मतिरों और कसिन मतिरों को** सशक्त बनाना ।
- **बुनियादी ढाँचे का विकास:** विकास और सेवाओं तक बेहतर पहुँच को सक्षम करने के लिये सड़कों, स्कूलों और सामुदायिक केंद्रों का विकास करना ।
- **डिजिटल समावेशन** के एक भाग के रूप में, ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों (जैसे, **राष्ट्रीय कृषि बाज़ार (ENAM)**) पर कसिनों का **100% पंजीकरण सुनिश्चिती करना** ताकि उन्हें योजनाओं तक वास्तविक समय पर पहुँच प्रदान की जा सके ।
- **व्यवहारिक और सामाजिक परिवर्तन:** शोषणकारी शर्तों पर अनौपचारिक ऋण को सक्षम रूप से हतोत्साहित करना । समुदाय के भीतरमादक द्रव्यों के सेवन के दुरुपयोग को संबोधित करना ।
  - नरिणय लेने और आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करना ।
- **आपदा तैयारी और जलवायु कार्रवाई:** आपदा जोखिम न्यूनीकरण (DRR) के लिये एक **कार्यबल की स्थापना** करना और ग्राम पंचायत विकास योजना (GPDP) में गतिविधियों को एकीकृत करना ।
  - **कृषि विज्ञान केंद्रों (KVK)** के माध्यम से सतत् कृषि और जलवायु-अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देना ।

## Achieve 100%

 <b>100% eligible beneficiaries covered under old age, widow and disability pensions.</b>	 <b>100% self-help groups (SHGs) and farmers groups are linked to enterprise schemes.</b>
 <b>100% access to services as per citizen's charter.</b>	 <b>100% enrolment of households under public distribution system (PDS).</b>
 <b>100% coverage under Ayushman Bharat Yojana.</b>	 <b>100% distribution of job cards to all applicants.</b>
 <b>100% registration of farmers on website: <a href="http://www.upagriculture.com">www.upagriculture.com</a></b>	 <b>Continuous employment to all active job card holders as per demand under MGNREGA.</b>



## नष्कर्ष:

ग्रामीण भारत में नरिधनता उन्मूलन के लिये आवास, वत्तीय सहायता, रोज़गार और बुनियादी ढाँचे के विकास को मलिकर एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है । सतत् विकास, कौशल वृद्धि और वत्तीय समावेशन के माध्यम से नरिधनता मुक्त गाँवों को प्राप्त करने के लिये कृषि पर नरिभरता **रोज़गारी और सामाजिक असमानता जैसी चुनौतियों** का समाधान करना महत्त्वपूर्ण है ।

**प्रश्न:** नरिधनता उन्मूलन में ग्रामीण भारत के समक्ष आने वाली चुनौतियों तथा इन चुनौतियों पर काबू पाने में सरकारी पहल की भूमिका का आकलन करना ।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????

**प्रश्न. नरिपेक्ष तथा प्रतवियक्तवास्तवकि GNP में वृद्धिआर्थकि वकिस की ऊँची स्तर का संकेत नहीं करती, यदः (2018)**

- (a) औदयोगकि उत्पादन कृषिउत्पादन के साथ-साथ बढ़ने में वफिल रह जाता है ।
- (b) कृषि उत्पादन औदयोगकि उत्पादन के साथ-साथ बढ़ने में वफिल रह जाता है ।
- (c) नरिधनता और बेरोज़गारी में वृद्धि होती है ।
- (d) नरियात की अपेक्षा आयात तेज़ी से बढ़ता है ।

**उत्तर: (c)**

**प्रश्न. कसि दयि गए वर्ष में भारत के कुछ राज्यों में आधकारकि गरीबी रेखाएँ अन्य राज्यों की तुलना में उच्चतर हैं क्योकः (2019)**

- (a) गरीबी की दर अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग होती है ।
- (b) कीमत- स्तर अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग होता है ।
- (c) सकल राज्य उत्पाद अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग होता है ।
- (d) सार्वजनकि वतऱरण की गुणवत्ता अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग होती है ।

**उत्तर: (b)**

**प्रश्न. UNDP के समर्थन से 'ऑक्सफोर्ड नरिधनता एवं मानव वकिस नेतृत्व' द्वारा वकिसति 'बहुआयामी नरिधनता सूचकांक' में नमिनलखिति में से कौन-सा/से सम्मलिति है/हैं? (2012)**

1. पारवारकि स्तर पर शकिषा, स्वास्थय, संपत्ता और सेवाओं से वंचन
2. राष्ट्रिय स्तर पर करय शक्ति समता
3. राष्ट्रिय स्तर पर बजट घाटे की मात्रा और GDP की वकिस दर

**नमिनलखिति कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनयि:**

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

**उत्तर: (a)**

**??????**

**प्रश्न. हालाँकि भारत में गरीबी के कई अलग-अलग अनुमान हैं, लेकिन सभी समय के साथ गरीबी के स्तर में कमी दर्शाते हैं । क्या आप सहमत हैं? शहरी एवं ग्रामीण गरीबी संकेतकों के संदर्भ में आलोचनात्मक परीक्षण कीजयि (2015)**